Kia India ने भारतीय बाजार में अपनी नई SUV Kia Syros 2026 को लॉन्च कर दिया है। इस बार कंपनी ने ग्राहकों की जरूरतों और फीडबैक को ध्यान में रखते हुए अपने पोर्टफोलियो को और मजबूत बनाया है। नए मॉडल में HTE, HTE(O), HTK+(O) और HTX(O) जैसे वेरिएंट्स जोड़े गए हैं। इसकी शुरुआती कीमत 8.39 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है, जो कि पहले वाले मॉडल के मुकाबले करीब 27,000 रुपये कम है। खास बात यह है कि अब इसमें ज्यादा ऑटोमैटिक विकल्प मिलते हैं, खासकर डीजल ऑटोमैटिक वेरिएंट्स, जो इसे और आकर्षक बनाते हैं। आइए आपको नई सिरोस की खूबियों के बारे में डिटेल में बताते हैं।

क्या नया है एक्सटीरियर और डिजाइन में

नई Syros को पहले से ज्यादा स्पोर्टी और रग्ड लुक दिया गया है। इसके फ्रंट में नया बंपर मिलता है, जिसमें बॉडी-कलर्ड एयरो इंसर्ट्स और ग्लॉसी ब्लैक स्किड प्लेट्स के साथ LED फॉग लैम्प्स शामिल हैं। रियर प्रोफाइल को भी अपडेट किया गया है, जहां नया बंपर और LED हाई-माउंटेड स्टॉप लैम्प दिया गया है, जो इसे प्रीमियम टच देता है।

Kia Syros 2026
स्टाइल, टेक्नोलॉजी और सेफ्टी का कॉम्बिनेशन

साइड प्रोफाइल में ग्लॉसी ब्लैक रूफ

रेल्स, ORVMs और बॉडी-कलर्ड गार्निश इसे और स्टाइलिश बनाते हैं। HTX और HTX(O) वेरिएंट्स में 17-इंच स्पोर्टी क्रिस्टल कट अलॉय व्हील्स दिए गए हैं, जिनमें नियोन ब्रेक कैलिपर्स भी मिलते हैं। इसके साथ Magma Red, Ivory Silver Matte और Ivory Silver Gloss जैसे नए कलर ऑप्शन्स इसकी रोड प्रेजेंस को और बेहतर बनाते हैं।

इंजन और परफॉर्मेंस

इस SUV में 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 118 bhp की पावर और 172 Nm का टॉर्क जेनरेट करता है। वहीं 1.5-लीटर डीजल इंजन 113 hp की पावर और 250 Nm का टॉर्क देता है। ट्रांसमिशन विकल्पों में 6-स्पीड मैनुअल, 7-स्पीड DCT और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स शामिल हैं, जिससे ड्राइविंग अनुभव स्मूद और पावरफुल बनता है।

हाई-टेक फीचर्स

नई Syros में करीब 30 इंच का ट्रिनिटी पैनोरमिक डिस्प्ले दिया गया है, जो केबिन को बेहद प्रीमियम और फ्यूचरिस्टिक बनाता है। इसके अलावा ड्यूल पैन सनरूफ के कारण केबिन में ज्यादा रोशनी और ओपननेस का अहसास मिलता है। फ्रंट और रियर दोनों सीट्स में वेंटिलेशन की सुविधा दी गई है, जिससे लंबी यात्राएं भी आरामदायक रहती हैं। सेकंड-रो सीट्स में 60:40 स्प्लिट के साथ स्लाइड और रिक्लाइन फंक्शन मिलता है, जिससे स्पेस को जरूरत के अनुसार एडजस्ट किया जा सकता है। इसमें 80 से ज्यादा कनेक्टेड कार फीचर्स दिए गए हैं, जिनमें OTA अपडेट और Kia Connect डायग्नोस्टिक्स शामिल हैं।

सेफ्टी

सेफ्टी के मामले में यह SUV काफी मजबूत है। इसे 5-स्टार BNCAP रेटिंग मिली है, जो इसकी सुरक्षा क्षमता को दर्शाती है। इसमें 20 से ज्यादा एडवांस सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं, जो ड्राइवर और पैसेंजर्स दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

वेरिएंट्स और कीमत

- 2026 Kia Syros टोटल 7 वेरिएंट्स में लॉन्च है, जिनकी कीमत-
- HTE (पेट्रोल MT): 8.40 लाख रुपये
- HTE(O): 9.20 लाख रुपये (पेट्रोल), 10 लाख रुपये (डीजल)
- HTK(EX): 9.80 लाख रुपये (पेट्रोल), 10.60 लाख रुपये (डीजल)
- HTK+: 10.74 लाख रुपये (पेट्रोल MT), 11.94 लाख रुपये (DCT), 11.54 लाख रुपये (डीजल MT), 12.74 लाख रुपये (डीजल AT)
- HTK+(O): 12 लाख रुपये (पेट्रोल MT), 13.20 लाख रुपये (DCT), 12.80 लाख रुपये (डीजल MT), 14 लाख रुपये (डीजल AT)
- HTX: 14 लाख रुपये (पेट्रोल DCT), 14.80 लाख रुपये (डीजल AT)
- HTX(O): 15 लाख रुपये (पेट्रोल DCT), 15.80 लाख रुपये (डीजल AT)
- डीजल ऑटोमैटिक वेरिएंट अब HTK+ से उपलब्ध है, जिसकी कीमत 12.73 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है।

मॉय फर्स्ट राइड

एक सफर, जो भीतर से हुआ शुरू

ड्राइवर की सीट तक मेरा सफर एक कार से शुरू नहीं हुआ, यह एक इंसान से शुरू हुआ। मेरी स्कूल प्रिंसिपल, मिसेज सिल्विया पॉल, एक डाइनैमिक पर्सनैलिटी की मिसाल थीं। मेरी इंग्लिश टीचर के तौर पर, उन्होंने हमें सिर्फ ग्रामर ही नहीं सिखाया, उन्होंने हमें प्रेजेंस और पॉजिशन भी सिखाया। उन्हें जिंदगी को इतने ग्रेस और अथॉरिटी के साथ आगे बढ़ते देखना, पहली चिंगारी थी, जिसने मुझे अपना रास्ता और अपनी गाड़ी खुद कंट्रोल करने के लिए प्रेरित किया। हालांकि जिंदगी अच्छे इरादों को भी देर से पूरा करती है। मुझे शुरू करने की हिम्मत जुटाने में बहुत समय लगा। मैं खुशकिस्मत थी कि मेरे दो सब्र वाले मेंटर थे- मेरे पिता और मेरे पति। उन्होंने मुझे फोर-व्हीलर के मैकेनिक्स के बारे में गाइड करने में अनगिनत घंटे बिताए, मुझे इंजन की आवाज सुनना और सड़क का सम्मान करना सिखाया। फिर भी, उनके सपोर्ट के बावजूद, मैं दिल से एक 'को-पायलट' ही रही, अकेले उड़ने के लिए कभी पूरी तरह तैयार नहीं हुई। बारिश और रिजॉल्व यह एक ऐसे दिन बदल गया, जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगी।

कॉलेज के एक जरूरी एग्जाम की सुबह थी और मौसम बहुत खराब था। जोरों की बारिश हो रही थी और हालात और भी खराब हो गए थे, मेरे ड्राइवर ने उस दिन छुट्टी ले ली थी। चुनाव आसान था: घर पर रहकर एग्जाम छोड़ दूं या आखिरकार उन सबक को काम में लाऊं। अचानक आए पक्के इरादे से, मैंने अपनी चाबियां पकड़ीं। मैंने कार 'सेल्फ' की, इंजन चालू हो गया और मेरा दिल तेजी से धड़क रहा था। मजबूत पकड़ के साथ, मैंने कार को पहले गियर में रखा। मैंने 20 km प्रति घंटे की एक जैसी, सावधानी से स्पीड बनाए रखी, वाइपर की रिदम वाली स्वाइप के बीच पूरी तरह से आगे की सड़क पर फोकस किया। मुश्किलों के बावजूद, मैं अपनी मंजिल पर पहुंच गई। मैंने सड़क पार कर ली थी, लेकिन एक आखिरी, बड़ी रुकावट बाकी थी, पार्किंग लॉट तंग था और मेरा कॉन्फिडेंस डगमगा गया। मेरी मुश्किल देखकर, एक बैचमेट ने मेरी झिझक देखी और मदद के लिए आगे आई। उसने स्टीयरिंग संभाली और बड़ी कुशलता से कार को सही जगह पर ले आया। शुरू में, उसके चेहरे की मुस्कान देखकर मैं शर्म से लाल हो गई। मुझे ऐसा लगा जैसे मैं कोई नया ड्राइवर हूं, जो 'ड्राइवर का नाटक' करते हुए पकड़ा गई हो, लेकिन उसकी बातों ने तुरंत वह एहसास दूर कर दिया। तुम्हें गाड़ी चलाते देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। उसने प्यार से कहा- "लगे रहो। बाकी तुम धीरे-धीरे सीख जाओगी, लेकिन सबसे मुश्किल काम तो हो ही गया है।" उस दिन, मैंने सिर्फ कॉलेज का एग्जाम ही पास नहीं किया, मैंने आजादी का एक बहुत बड़ा टेस्ट पास किया। मुझे एहसास हुआ कि मेंटर तुम्हें रास्ता दिखा सकते हैं, लेकिन चाबी सिर्फ तुम ही घुमा सकते हो।

- डॉ. दीपशिखा चौधरी
मेडिकल ऑफिसर इंचार्ज, अवध यूनिवर्सिटी

आस्ट्रेलिया में लॉन्च हुई लकड़ी की इलेक्ट्रिक साइकिल

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है, लेकिन अब इसमें एक ऐसा नया प्रयोग सामने आया है, जो इसे और भी दिलचस्प बना देता है। कल्पना कीजिए एक ऐसी ई-साइकिल की, जो धातु से नहीं, बल्कि लकड़ी से बनी हो और फिर भी स्टाइल, मजबूती और परफॉर्मेंस में किसी से कम न हो। ऑस्ट्रिया की कंपनी Esel ने अपनी नई Esel eUrban लॉन्च कर इस अनोखे कॉन्सेप्ट को वास्तविकता में बदल दिया है। यह साइकिल डिजाइन और टेक्नोलॉजी का ऐसा मेल है, जो बाजार में अलग पहचान बनाने की क्षमता रखता है।

लकड़ी का फ्रेम, लेकिन मजबूती बरकरार

इस ई-साइकिल की सबसे बड़ी खासियत इसका वुडन फ्रेम है। जहां आमतौर पर साइकिलों में एल्युमिनियम या कार्बन फ्रेम का इस्तेमाल होता है, वहीं eUrban में हॉलो टीक वुड का उपयोग किया गया है। यह फ्रेम देखने में बेहद प्रीमियम लगता है और साथ ही मजबूती व संतुलन का भी पूरा ध्यान रखता है। कंपनी का कहना है कि यह रोजमर्रा के उपयोग के लिए पूरी तरह सुरक्षित और भरोसेमंद है।

अलग जरूरतों के लिए दो वेरिएंट

इस मॉडल को दो वेरिएंट Basic और Performance में पेश किया गया है। बेसिक वर्जन का वजन लगभग 18.5 किलोग्राम है और इसमें 10-स्पीड गियर सिस्टम मिलता है। वहीं Performance वेरिएंट करीब 2 किलो हल्का है और इसमें 11-स्पीड गियर के साथ कार्बन व्हील्स दिए गए हैं। दोनों विकल्प अलग-अलग यूजर्स की जरूरत और राइडिंग स्टाइल को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए हैं।

बैटरी और परफॉर्मेंस

eUrban में रियर हब मोटर दी गई है, जो 42 Nm का टॉर्क जनरेट करती है। कंपनी के अनुसार, यह साइकिल एक बार चार्ज करने पर लगभग 80 किलोमीटर तक चल सकती है। बैटरी को फुल चार्ज होने में करीब 4 घंटे का समय लगता है। इस लिहाज से यह शहर के रोजमर्रा के सफर के लिए एक व्यावहारिक विकल्प बन सकती है।

कीमत और उपलब्धता

Esel eUrban की कीमत प्रीमियम सेगमेंट में रखी गई है। बेसिक वेरिएंट की कीमत करीब 4,700 डॉलर (लगभग 4.39 लाख रुपये) है, जबकि Performance वर्जन लगभग 5,800 डॉलर (करीब 5.41 लाख रुपये) तक जाता है। फिलहाल यह साइकिल भारत में उपलब्ध नहीं है, लेकिन इसका अनोखा कॉन्सेप्ट भविष्य में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के नए ट्रेंड को जन्म दे सकता है।

फीचर्स जो बनाते हैं खास

इस ई-साइकिल में ड्यूल-पिस्टन हाइड्रोलिक डिस्क ब्रेक दिए गए हैं, जो बेहतर कंट्रोल और सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इसके साथ कार्बन फोर्क सस्पेंशन राइड को स्मूद बनाता है। अलग-अलग साइज विकल्प उपलब्ध होने से यूजर्स अपनी सुविधा और ऊंचाई के अनुसार सही मॉडल चुन सकते हैं।

कानूनी रूप से भारी पड़ सकती है गाड़ी की नंबर प्लेट से छेड़छाड़

सड़कों पर चलते हुए अक्सर कुछ लोग नियमों से बचने के लिए ऐसे तरीके अपनाते दिख जाते हैं, जो देखने में छोटे लगते हैं, लेकिन उनके परिणाम बहुत गंभीर हो सकते हैं। खासकर ई-चालान से बचने के लिए नंबर प्लेट के साथ छेड़छाड़ करना आजकल आम होता जा रहा है। कोई उस पर टेप चिपका देता है, कोई पेंट कर देता है, तो कोई उसे जानबूझकर ढक देता है, लेकिन यह समझना जरूरी है कि यह सिर्फ नियम तोड़ना नहीं, बल्कि कानून के साथ धोखा करना है, जिस पर अब प्रशासन सख्ती से कार्रवाई कर रहा है।

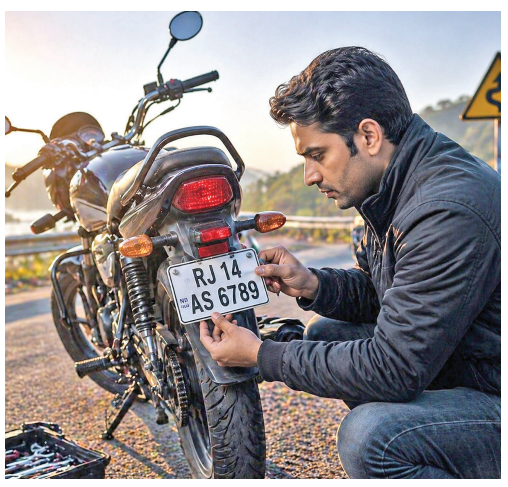

वाहन की पहचान

नंबर प्लेट किसी भी वाहन की पहचान होती है। यही वह माध्यम है, जिसके जरिए ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाता है और किसी दुर्घटना या अपराध की स्थिति में वाहन को ट्रेस किया जाता है। ऐसे में जब कोई व्यक्ति जानबूझकर नंबर प्लेट को छिपाता है, तो वह न सिर्फ कानून का उल्लंघन करता है, बल्कि सड़क सुरक्षा को भी खतरे में डालता है।

जानबूझकर की गई धोखाधड़ी

चालान से बचने के लिए नंबर प्लेट छिपाने के लिए लोग कई तरह के तरीके अपनाते हैं। सबसे आम तरीका है-नंबरों पर काला टेप लगाना या कीचड़ चिपका देना, ताकि कैमरे में नंबर साफ न दिखे। कई बाइक सवार पीछे हेलमेट इस तरह टांग देते हैं कि नंबर प्लेट पूरी तरह ढक जाती है। वहीं, कुछ कार चालक डिक्की पर सामान रखकर नंबर को छिपा देते हैं। इसके अलावा रिफ्लेक्टिव टेप या केमिकल का इस्तेमाल भी किया जाता है, जिससे कैमरे की फ्लैश पड़ने पर नंबर पढ़ा न जा सके। ये सभी तरीके जानबूझकर की गई धोखाधड़ी माने जाते हैं।

सख्त कानूनी कार्रवाई

ऐसे मामलों में अब सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। नंबर प्लेट के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ करने पर पुलिस भारतीय कानून बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर सकती है। इसमें जुर्माने के साथ-साथ जेल तक की सजा का प्रावधान है। इसके अलावा, ट्रैफिक पुलिस को यह अधिकार है कि वह ऐसी गाड़ियों को मौके पर ही जब्त कर ले। यदि कोई व्यक्ति बार-बार ऐसा करते हुए पकड़ा जाता है, तो आरटीओ उसके वाहन का रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर सकता है।

नियम का पालन

ऐसी स्थिति में सबसे बेहतर उपाय यही है कि नियमों का पालन किया जाए। अपनी गाड़ी पर हमेशा हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (HSRP) लगवाएं और यह सुनिश्चित करें कि नंबर प्लेट साफ और स्पष्ट दिखाई दे। उस पर किसी तरह का स्टिकर या सजावट न करें। याद रखें, थोड़ी सी चालाकी आपको बड़ी परेशानी में डाल सकती है। नियमों का पालन न केवल आपको कानूनी मुसीबतों से बचाता है, बल्कि सड़क पर सभी की सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है। इसलिए जिम्मेदार बनें और सुरक्षित तरीके से वाहन चलाएं।

आसान नहीं कैमरों को धोखा देना

तकनीक के इस दौर में कैमरों को धोखा देना आसान नहीं रहा। सड़कों पर लगे आधुनिक एआई कैमरे बहुत ही संवेदनशील होते हैं और नंबर प्लेट में की गई छोटी से छोटी गड़बड़ी को भी पकड़ लेते हैं। अगर आपकी नंबर प्लेट धुंधली या खराब पाई जाती है, तो इसे 'दोषपूर्ण प्लेट' मानते हुए 5,000 रुपये तक का चालान किया जा सकता है। कई मामलों में पुलिस सीसीटीवी के जरिए वाहन मालिक तक पहुंचकर सीधे नोटिस भी भेजती है।